सेवकाई के लिए मानसिकता में परिवर्तन

Mindset Shifts for Ministry

उद्देश्य (OBJECTIVE)

हमें अपनी सेवकाई में **रणनीतिक** और **इरादतन** होना चाहिए।
यह प्रशिक्षण पाँच ऐसे परिवर्तनकारी मानसिकता परिवर्तनों को प्रस्तुत करता है, जो आपकी सेवकाई में **अधिक स्पष्टता, आत्मविश्वास, और प्रभावशीलता** लाएंगे।

जब आप अपने दृष्टिकोण को बदलते हैं और अपने मन को नया करते हैं, तो आप अधिक फलदायकता को खोल सकते हैं और परमेश्वर के उद्देश्य को पूर्ण रूप में अनुभव कर सकते हैं।

सारांश (OVERVIEW)

- सेवकाई में रणनीतिक होने का महत्व
- पाँच मानसिकता के परिवर्तन (Mindset Shifts):
    1. **वृद्धि (Increase)** से **नवाचार (Innovation)** की ओर
    2. **विजेता (Conqueror)** से **निर्माता (Architect)** की ओर
    3. **कार्यक्रम (Program)** से **उद्देश्य / कारण (Cause)** की ओर
    4. **बलिदान (Sacrifice)** से **विश्वास (Faith)** की ओर
    5. **संस्था (Institution)** से **संस्कृति (Culture)** की ओर
- **नवीन मानसिकता** से कार्यों में रूपांतरण आता है और सेवकाई अधिक फलदायक बनती है

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- रोमियों 12:2
- यूहन्ना 15

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. इन पाँच मानसिकता परिवर्तनों में से कौन-सा परिवर्तन आपके साथ सबसे अधिक मेल खाता है और क्यों?

2. आपकी सेवकाई को प्रेरित करने वाला **मुख्य उद्देश्य** क्या है? क्या यह आपकी दल और जिन्हें आप सेवा दे रहे हैं, उनके साथ स्पष्ट रूप से साझा किया गया है?

3. आपकी प्रार्थनाएँ और कार्य किस मानसिकता को दर्शाते हैं — बलिदान की या विश्वास की?

4. ऐसा कौन-सा **व्यावहारिक नया दृष्टिकोण** है जिसे आप इस सप्ताह अपना सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- 1 कुरिन्थियों 12:12-27
- इफिसियों 2:10